

17. अण्डा में सालमोनेला, क्लोस्ट्रिडियम पेराफ्रिंजीन्स, क्लोस्ट्रिडियम बोटिलिनम, बैसिल्लस सेर्यूस, वाइबियो पेराहेमोलिक्टस, एस्केरिशिया कोली तथा कैम्पीलोबैक्टर जैसे जीवाणु (बैक्टीरिया) होते हैं, जो अनेक प्रकार की बीमारियाँ पैदा करते हैं।
18. ब्रिटेन के डॉ. रॉबर्ट ग्रॉस ने चेतावनी दी है कि अण्डे के श्वेतक (एगव्हाइट) में 'एविडिन' होता है, जिससे कोढ़, एक्झीमा, लकवा (पक्षाघात), चर्मरोग, चर्मकैंसर तथा अनेक प्रकार की एलर्जियाँ (अति संवेदनशीलताएँ) जैसी बीमारियाँ हो सकती हैं।
19. 90 प्रतिशत से अधिक चूजों को संख्या-मिश्रण (आर्सेनिक कम्पाउण्ड) दिये जाते हैं। उन्हें सल्फा-औषधियाँ और नाइट्रोफूरांस (एंटीबैक्टीरियल एजेंट्स) भी दिये जाते हैं। इन सबका दुष्प्रभाव क्या मांसाहारी या अण्डाहारी पर नहीं पड़ेगा ?
20. जिन्हें वंशानुगत (हिरेडिटरी) हृदय-रोग हो, उन्हें अण्डे स्वप्न में भी नहीं खाना/खिलाना चाहिए, क्योंकि ऐसे लोगों के लिए अण्डा जहर है जहर।
21. विख्यात आहारशास्त्री के. केलेनी, लंदन का कथन है कि अण्डे खाना मांस खाने से भी बदतर है, क्योंकि इनमें मांस की अपेक्षा अधिक चिकने पदार्थ होते हैं जो कब्ज पैदा करते हैं।
22. प्रो. एग्नरबर्ग, डॉ. मेक्कालम एवं डॉ. विलियम्स के शोध का निष्कर्ष है कि अण्डा खाने से कैंसर, हृदय-रोग, एक्झीमा, दमा, लकवा, क्षय, संग्रहणी, पेचिश, मंदाग्नि जैसे भयानक रोगों का शिकार हो जाना पड़ता है।
23. प्रो. एग्नरबर्ग, जर्मनी का यह भी शोध अनुभव है कि अण्डा शरीर में 51.83 प्रतिशत कफ पैदा करता है, जो शरीरगत पोषक तत्वों को असंतुलित कर देता है।
24. अण्डे को फ्राइ या रोस्ट कर दिया जाए तो कोलेस्टेरोल की मात्रा और बढ़ जाती है, जिससे अति तनाव (हायपर कोलेस्टेरोलेमिया), हृदयाघात (हार्टअटैक), एथिरो जैसे रोगों की आशंका बढ़ जाती है।
25. मशहूर चिकित्सक प्रो. ओकाडा डेविडसन इरविंग का प्रबल मत है कि अण्डे खाने से पेचिश, मंदाग्नि जैसी बीमारियाँ पेट में घर कर जाती हैं। इसी कारण बाद में आमाशय कमजोर पड़ जाता है और आँतें भी सड़ने/गलने लगती हैं।
26. सालमोनेला एन्टेरिटाइडिस बैक्टीरिया मुर्गियों की अँतड़ियों से होता हुआ अण्डे के 'एग येलो' (पीतक) में आ जाता है। अण्डा खाने वाले को इसी कारण डायरिया (अतिसार), पेट में ऐंठन, बुखार, उल्टी होने जैसे रोगों का शिकार होना पड़ता है। और कभी-कभी तो वह जानलेवा भी साबित हो जाता है।

उपरिलिखित तथ्यों और प्रमाणों के आधार से यह प्रतिफलित होता है कि अण्डा का सेवन शरीर और स्वास्थ्य के लिए अत्यधिक हानिकारक है। अतएव अल्पवय धारक शिशुओं, बच्चों, गर्भवती महिलाओं तथा शिशुवती महिलाओं के भी कुपोषित शरीर को पुष्ट बनाये जाने हेतु अनाज, दलहन, तिलहन, मसाले, मेवा आदि खाद्य पदार्थों का उपयोग किया जाना चाहिए। इसलिए म. प्र. शासन के महिला एवं बाल विकास विभाग की 'अटल बाल आरोग्य एवं पोषण मिशन' योजना के अंतर्गत दिये जाने वाले 'उबले अण्डा' शब्द को हटाकर, अन्य योग्य पदार्थों का चयन किया जाए।

इस संबंध में आपसे अनुरोध है कि बच्चों की उम्र, अबोधता, अज्ञानता को दृष्टि में रखकर यह विचार किया जाए कि जिन्हें स्वयं खाद्य-अखाद्य, हित-अहित, सेवनीय-असेवनीय पदार्थों का विवेक नहीं है, ऐसी स्थिति में बच्चों के पालक, अभिभावक के साथ शासन का भी यह नैतिक दायित्व है कि अनजाने में मांसाहार के रूप में अण्डा दिये जाने रूप उल्लेखों को हटाकर जहाँ उनकी धार्मिक परम्परा पर हो सकने वाले कुठाराघात से उन्हें बचाया जाए, वहीं कुपोषण को दूर करने अन्य अनेक उच्च प्रोटीन एवं कैलोरी युक्त खाद्य पदार्थ प्रदान करके, जिन सात वस्तुओं का नामोल्लेख अण्डा के पश्चात् ऊपर दिया भी गया है, उन्हें देकर या उन जैसी कोई अन्य सामग्री का चयन करके उनके शरीरों को पुष्ट एवं निरोगमय बनाया जाए।

अतः इस विषय में आपसे जन-अपेक्षा है कि 'अटल बाल आरोग्य एवं पोषण मिशन' योजना के क्रियान्वयन होने से पहले ही उसमें उपर्युक्त तीनों स्थलों पर, तथा इनके अतिरिक्त जहाँ पर भी 'अण्डा' शब्द को पोषक आहार के रूप में दिया जाना प्रस्तावित/विचारित किया गया है, सर्वत्र ही 'अण्डा' शब्द को विलोपित किया/कराया जाए, और उसके स्थान पर अहिंसक, निरामिष तथा योग्य पोषकता युक्त अन्य खाद्य सामग्री बच्चों को प्रदान की जाए।

हमें विश्वास है कि आप हमारे निवेदन पर गंभीरतापूर्वक विचार करेंगे, और अनायास ही अबोध शिशुओं को दिये जाने वाले अण्डा रूप मांसाहार सेवन करने से बचाने में अपनी अहम भूमिका का निर्वाहकर 'अटल बाल आरोग्य एवं पोषण मिशन' के दस्तावेजगत प्रत्येक स्थल से 'अण्डा' शब्द को हटवाने सार्थक प्रयास करेंगे। साथ ही आपसे यह भी जन-अपेक्षा है कि उक्त योजना के क्रियान्वयन प्रारम्भ होने में चूँकि अब कुछ ही दिन शेष हैं, अतः इस विषय में आप अतिशीघ्र संबंधितजनों से उचित सम्पर्क करेंगे।

आपके द्वारा इस विषय में की/कराई गयी कार्रवाई की एक प्रति हमें भी उपलब्ध हो, ऐसी आपसे महती अपेक्षा है। सादर।